प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद–बिजनौर, उत्तर प्रदेश।

पत्रांक– SPMU/NHM/SS VISIT/1/2022-23/ 4916 दिनांक : 10-10-2022

विषय– दिनांक 20.09.2022 से दिनांक 22.09.2022 में राज्य स्तरीय भ्रमण दल द्वारा किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण में पायी गयी कमियों को निस्तारित करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 के पत्र संख्या–SPMU/NHM/M&E/2022-23/2566-2 दिनांक 19.07.2022 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके माध्यम से राज्य स्तरीय दल द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के अर्न्तगत जनपद का भ्रमण कर जनपद में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं एवं वित्तीय व्यय की समीक्षा कर आख्या उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के अनुपालन में राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक 20.09.2022 से दिनांक 22.09.2022 तक जनपद बिजनौर का भ्रमण कर जनपद में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं एवं वित्तीय व्यय की समीक्षा कर आख्या उपलब्ध करायी गयी है।

उपरोक्त आख्या इस पत्र के साथ संलग्न कर आपको इस निर्देश के साथ प्रेषित है कि भ्रमण के दौरान पायी गयी कमियों को यथाशीघ्र निस्तारित कराते हुए बिन्दुवार अनुपालन आख्या/कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को हार्ड एवं साफ्ट कापी प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

संलग्नक–भ्रमण आख्या।

भवदीया,

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक
तद्दिनांक।

पत्रांक– SPMU/NHM/SS VISIT/1/2022-23/

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. **अपर मिशन निदेशक,** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
2. **महानिदेशक,** चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, उ0प्र0, लखनऊ।
3. **महानिदेशक,** परिवार कल्याण, उ0प्र0, लखनऊ।
4. **मण्डलायुक्त,** मुरादाबाद मण्डल, मुरादाबाद, उ0प्र0।
5. **जिलाधिकारी/अध्यक्ष,** जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद– बिजनौर ।
6. **अपर निदेशक,** चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मुरादाबाद मण्डल मुरादाबाद।
7. **समस्त महाप्रबंधक,** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ को इस आशय से कि अपने कार्यक्रमों से सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही हेतु जनपद को अपने स्तर से निर्देशित करने का कष्ट करें।
8. **मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/अधीक्षिका,** जिला पुरूष/महिला चिकित्सालय जनपद– बिजनौर ।
9. **जिला कार्यक्रम प्रबंधक,** एन0एच0एम0 जनपद– बिजनौर को इस निर्देश के साथ कि आख्या का अनुपालन कराते हुए कृत कार्यवाही की प्रगति–रिपोर्ट प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

(वरूण प्रताप सिंह)
नोडल अधिकारी– मुरादाबाद

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद–बिजनौर, उत्तर प्रदेश।

पत्रांक– SPMU/NHM/SS VISIT/1/2022-23/ दिनांक : 10-10-2022

विषय– दिनांक 20.09.2022 से दिनांक 22.09.2022 में राज्य स्तरीय भ्रमण दल द्वारा किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण में पायी गयी कमियों को निस्तारित करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 के पत्र संख्या–SPMU/NHM/M&E/2022-23/2566-2 दिनांक 19.07.2022 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके माध्यम से राज्य स्तरीय दल द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के अर्न्तगत जनपद का भ्रमण कर जनपद में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं एवं वित्तीय व्यय की समीक्षा कर आख्या उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के अनुपालन में राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक 20.09.2022 से दिनांक 22.09.2022 तक जनपद बिजनौर का भ्रमण कर जनपद में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं एवं वित्तीय व्यय की समीक्षा कर आख्या उपलब्ध करायी गयी है।

उपरोक्त आख्या इस पत्र के साथ संलग्न कर आपको इस निर्देश के साथ प्रेषित है कि भ्रमण के दौरान पायी गयी कमियों को यथाशीघ्र निस्तारित कराते हुए बिन्दुवार अनुपालन आख्या/कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को हार्ड एवं साफ्ट कापी प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

संलग्नक–भ्रमण आख्या।

भवदीया,

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक
तद्दिनांक।

पत्रांक– **SPMU/NHM/SS VISIT/1/2022-23/** 4916 – 9

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. **अपर मिशन निदेशक,** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
2. **महानिदेशक,** चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, उ0प्र0, लखनऊ।
3. **महानिदेशक,** परिवार कल्याण, उ0प्र0, लखनऊ।
4. **मण्डलायुक्त,** मुरादाबाद मण्डल, मुरादाबाद, उ0प्र0।
5. **जिलाधिकारी/अध्यक्ष,** जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद– बिजनौर ।
6. **अपर निदेशक,** चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मुरादाबाद मण्डल मुरादाबाद।
7. **समस्त महाप्रबंधक,** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ को इस आशय से कि अपने कार्यक्रमों से सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही हेतु जनपद को अपने स्तर से निर्देशित करने का कष्ट करें।
8. **मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/अधीक्षिका,** जिला पुरूष/महिला चिकित्सालय जनपद– बिजनौर ।
9. **जिला कार्यक्रम प्रबंधक,** एन0एच0एम0 जनपद– बिजनौर को इस निर्देश के साथ कि आख्या का अनुपालन कराते हुए कृत कार्यवाही की प्रगति–रिपोर्ट प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

Varun Pratap Singh
(वरूण प्रताप सिंह)
नोडल अधिकारी– मुरादाबाद

जनपद बिजनौर की सपोर्टिव सुपरविजन विजिट आख्या

भ्रमण अवधि– दिनांक 20.09.2022 से 22.09.2022

राज्य स्तरीय टीम

1. श्री वरूण प्रताप सिंह, उपमहाप्रबंधक, आई0ई0सी0।
2. श्री सौरभ तिवारी, सलाहकार, आर0के0एस0के0।

मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में उपरोक्त टीम द्वारा दिनांक 20–22 सितम्बर 2022 के मध्य जनपद बिजनौर का भ्रमण कर एल–3, एल–2 व एल–1 स्तर की स्वास्थ्य इकाईयों, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा स्कूलों में संचालित आर0के0एस0के0/आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम व सामुदायिक गतिविधियों का अवलोकन किया गया। भ्रमण रिपोर्ट निम्नानुसार है–

मुख्य चिकित्साधिकारी एवं अपर मुख्य चिकित्साधिकारी–आर0सी0एच0, जनपद बिजनौर के साथ बैठक में निम्नवत् बिन्दु प्रकाश में आये –

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
1. जनपद में जिला लेखा प्रबंधक का पद रिक्त है डी0डी0एम0 द्वारा जिला लेखा प्रबंधक का कार्य सम्पाादित किया जा रहा है।	जिला लेखा प्रबंधक की नवीन नियुक्ति की आवश्यकता है।	महाप्रबंधक मानव संसाधन
2. जनपद बिजनौर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के समस्त कार्य प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सम्पादित होते पाये गये। उदाहरणतः – a. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नगीना के समस्त कार्य प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोतवाली में। b. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अफजलगढ़ के समस्त कार्य प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कासीमपुर गरही में सम्पादित होते है।	मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय से प्राप्त जानकारी अनुसार पूर्व के जिलाधिकारी महोदय ने यथा स्थान कार्य सम्पादित होने हेतु अग्रेतर कार्यवाही की थी किन्तु उनका ट्रांसफर होने के कारण पूर्ण नही हुआ। सुझाव दिया गया कि उक्त को पूर्ण करने हेतु अग्रेतर कार्यवाही करें।	मुख्य चिकित्साधिकारी
3. जनपद बिजनौर में उपकेन्दो के सुदढीकरण की आवश्यकता है। उपकेन्द्रों पर 24X7 सेवा प्रदान करने, पानी एवं बीजली की व्यवस्था आदि की आवश्यकता है। उक्त के क्रम में नियमित निरीक्षण एवं आशाओं/ए0एन0एम0 को प्रोत्साहित करते हुये अभिमुखीकरण करने का सुझाव दिया गया।	उपकेन्द्रों का नियमित निरीक्षण जनपद स्तर से अपेक्षित है।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक इकाई/ डी0सी0पी0एम0
4. वित्तीय वर्ष 2022–23 में जनपद बिजनौर में कुल 13 वाहन सहयोगात्मक पर्यवेक्षण हेतु अनुबंधित किये गये है किन्तु सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के वाहन उपलब्ध हाने के उपरांत भी भ्रमण आख्या http://www.upnrhm.gov.in के पोर्टल पर District Upload Facilityके माध्यम से अपलोड नही है, समस्त अधिकारी/कर्मचारी की भ्रमण आख्या पोर्टल पर अपलोड कराने की आवश्यकता है। वित्तीय वर्ष 2022–23 में जनपद बिजनौर की एक भी आख्या अपलोड नही की गयी है।	अवगत कराया गया कि सहयोगात्मक पर्यवेक्षण नियमित रूप से सम्पदित किया जाता एवं आख्याएं जल्द अपलोड कराने हेतु जिला कार्यक्रम प्रबंधक को निर्देशित किया।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की समस्त आख्या www.upnrhm.gov.in पर अपलोड करना सुनिश्चित करें।
5. जनपदीय अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की चेकलिस्ट मूल्यांकन एवं अनुश्रवण अनुभाग द्वारा उपलब्ध करायी गयी Google Sheetपर अपलोड करायी जायेगी एवं www.upnrhm.gov.inपोर्टल पर आख्या अपलोड की जानी है।	जनपद/ब्लाक अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की चेकलिस्ट Google sheet पर अपलोड करायें।	जिला/ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की समस्त चेकलिस्टGoogle sheet पर अपलोड करना सुनिश्चित करें।

6.	जनपद में डाटा आडिट की आवश्यकता है। भौतिक आकडों एवं पोर्टल पर अपलोड आकडों में भिन्नता पायी गयी।	ऑकड़ों की नियमित समीक्षा प्रत्येक स्तर के अधिकारियों द्वारा किया जाए। भिन्नता की भी जॉच सुधार करते हुए पोर्टल पर अपलोड कराये जाने का सुझाव दिया गया।	जनपदीय कार्यक्रम प्रबन्धक द्वारा समस्त ब्लाक लेखा प्रबन्धकों को उक्त हेतु सुझाव दिया गया ताकि भिन्नता न आने पायें।
7.	वित्तीय वर्ष 2022–23 में जनपद बिजनौर में जिला स्वास्थ्य समिति की 06 के सापेक्ष **02 कार्यकारी निकाय** एवं 06 के सापेक्ष **02 शासी निकाय** की बैठको के कार्यवृत्त पोर्टल पर अपलोड की गयी है।	ए0सी0एम0ओ0 द्वारा सूचित किया गया नियमित रूप से कार्यकारी निकाय की बैठकें आयोजित की जायेगी एवं कार्यवृत्त अपलोड कराये जायेगें।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक
8.	विद्यालयों में विपस रजिस्टर आदि वर्तमान वित्तीय वर्ष के उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। कृमि मुक्ति दिवस एवं मापअप राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस आयोजित किया गया था किन्तु रजिस्टर में सही टिक का निशान लगा पाया गया। अध्यापको के अभिमुखिकरण की आवश्यकता है।साप्ताहिक आयरन एवं फोलिक एसिड संपूर्ण कार्यक्रम (WIFS) के अन्तर्गत पिंक एवं ब्लू आयरन की गोलियां उपलब्ध पायी गयी किन्तु अभिलेख/रिपोर्ट को अद्यतन करने की आवश्यकता है।	टीम द्वारा प्रभारी अध्यापक को दिशा–निर्देशानुसार कृमि मुक्ति दिवस एवं मापअप दिवस में रजिस्टर पर Single & Double Tick किस प्रकार अंकित करना बताया गया। उक्त हेतु अभिलेखों को अद्यतन किये जाने का सुझाव दिया गया। टीम द्वारा विद्याार्थियों को नियमित रूप से आयरन की गोलियां खिलाने का सुझाव दिया गया।	डी0आई0सी0 मैनेजर/ प्रभारी अध्यापक/ ए0एफ0एच0सी0 परामर्शदाता
9.	कई 102 एम्बुलेन्स व108 एम्बुलेन्स में हूटर खराब, दवा बी0पी0 मापक यंत्र उपलब्ध पाया गया। जनपद में संचालित 108/102 एम्बुलेन्स में ए0सी0 खराब था। एम्बुलेन्स के टायर बदलवाने की एवं चालक के मोबाइल ठीक कराने का निवेदन चालक द्वारा किया गया। कई एम्बुलेन्स 10 लाख की दूरी तय कर चुकी एवं पुरानी है उनके प्रतिस्थापन की आवश्यकता है।	चिकित्सा इकाई के प्रभारी द्वारा नियमित रुप से एम्बुलेन्स के रखरखाव , औषधियों की उपलब्धता एवं लागबुक की जॉच करायी जाये। टीम द्वारा उक्त के क्रम में ई0एम0ई द्वारा एम्बुलेन्स के रख रखाव हेतु अग्रेतर कार्यवाही करने का सुझाव दिया गया।	महाप्रबंधक ई0एम0टी0/चिकित्सा अधीक्षक/ ई0एम0ई
10.	जनपद स्तर से समस्त स्वास्थ्य इकाईयों (शहरी व ग्रामीण) पर मुद्रित समस्त रजिस्टर, प्रपत्र, फालोअप कार्ड्स, वाउचर्स, प्रमाणपत्र व आई0ई0सी0 सामग्री पोस्टर्स, पम्पलेट्स के साथ दिवार लेखन हेतु अपडेटेड आई0ई0सी0 उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।	समस्त जनपदीय अधिकारियों/ कर्मचारियों को नियमित रूप से पर्यवेक्षण करते हुये सहयोगात्मक कार्यवाही किया जाना अपेक्षित है।	मुख्य चिकित्साधिकारी / जिला कार्यक्रम प्रबंधक

सामुदायिक गतिविधियॉ : ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सत्र।

उपकेन्द्र– सारा डडीम्बा, ब्लाक– कोतवाली।
सम्पर्क : ए.एन.एम.–श्रीमती अल्का।
आशाः– श्रीमती वर्षा।

टीम द्वारा वी0एच0एन0डी0 सत्र का अवलोकन किया गया। सामुदायिक स्तर की गतिविधियों के आकलन हेतु टीम द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरुप विभिन्न विधाओं के सेवाप्राप्त 05 लाभार्थियों से सम्पर्क किया गया।

- वी0एच0एन0डी0 सत्र जिस इमारत में आयोजित किया गया उसकी अवस्था ठीक पायी गयी।
- टीम के भ्रमण समय तक ड्यू लिस्ट के अनुसार 50 के सापेक्ष 18 लाभार्थियों द्वारा सत्र में लाभ प्राप्त किया पाया गया।
- ए0एन0सी0 चेक अप हेतु उचित स्थान उपलब्ध नहीं था। बैनर लगा पाया गया।
- ए0एन0सी0 एवं0 पी0एन0सी0 चेक अप की व्यवस्था नही थी। लक्षित दम्पत्ति सूची, माइक्रोप्लान, SAMलिस्ट एवं HRP लिस्ट उपलब्ध नही पायी गयी।
- हाई रिस्क प्रेगनेन्सी रजिस्टर उपलब्ध नहीं था। प्रसूती रिकार्ड, लक्षित दम्पत्ति सूची, आदि उपलब्ध नहीं पायी गयी।
- बच्चो व वयस्कों की स्टैडों मिटर, मूका टेप उपलब्ध नही था। पन्चर प्रुफ वाक्स, जिंक, ओ0आर0एस0, MBI Kitएवं यूरिन टेस्ट किट ब्लड टेस्ट किट उपलब्ध नही थी। कुपोषित बच्चों के परीक्षण के लिये एम0यू0ऐ0सी0 टेप उपलब्ध नही था,
- सत्र स्थल पर गर्भनिरोधक सामग्री एक–दो पैकट उपलब्ध थे, किन्तु वितरण नहीं किया जा रहा था।
- टीम द्वारा जब माता रूपा से प्रसव संबंधी वार्ता की गयी तो ज्ञात हुआ कि एम्बुलेन्स नही आती एवं पी0एच0सी0 में प्रसव कराने में असमर्थता व्यक्त करने के कारण उन्होने प्राइवेट प्रसव कराया। अन्य माताओं को न तो एम0सी0टी0एस0 नम्बर दिया गया एवं न ही स्वास्थ्य संबंधी कोई जानकारी प्रदान की गयी।
- माताओं से हुयी वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्रसव कराने के रू0 1000/– लिये गये एवं बाहर से दवाएं लेनी पड़ी। साथ ही प्रसव हेतु उन्हें अपने व्यक्तिगत वाहनों द्वारा जाना पडा। उक्त की जांच की आवश्यकता है।
- **अभिलेखों को अद्यतन कराने की आवश्यकता है।**
- **आशाओं से हुयी वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ कि आशाओं का भुगतान अप्रैल 2022 से लम्बित है।**

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र–मौ. रविदास नगर, बिजनौर–

जनपद बिजनौर में कोई भी नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रसव केन्द्र नही है। अरबन कोआर्डिनेटर से हुई वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ कि 02 चिकित्सक एवं 03 स्टाफ नर्स के पद रिक्त है। सी0सी0पी0एम0 एवं 01 डाटा आपरेटर की आवश्यकता है।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
चिकित्सालय परिसरः–		
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी। परिसर मे जगह बेहद कम है एवं टीकाकरण एवं अन्य सत्रों में बहुत भीड हो जाती है। ए0एन0सी0 चेकअप हेतु समुचित स्थान है। बिल्डिंग को बदलने का सुझाव दिया था।	नियमित रुप से परिसर की साफ–सफाई कराये जाने एवं अन्य बिल्डिंग में स्फिट करने हेतु अग्रेतर कार्यवाही करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा प्रभारी

सिटीजन चार्टर डिस्प्ले था। 5'5 मैट्रिक्स डिस्प्ले नहीं था।	5'5 मैट्रिक्स जनपद से प्राप्त कर उपयुक्त स्थानों पर लगाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा प्रभारी
मानव संसाधन/अन्य		
चिकित्सा इकाई में डा0 दीपासी निगम कुल 01 चिकित्सक, 02 स्टाफ नर्स एवं 06 ए0एन0एम0 तैनात है। चिकित्सा प्रभारी से हुयी वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ कि चिकित्सालय में तैनात समस्त के प्रशिक्षण कराये जाने की आवश्यकता है।	चिकित्सा अधीक्षिका महोदया को आर0के0एस0 के रजिस्टर अद्यतन कराने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का एवं प्रशिक्षण कराने का सुझाव दिया गया।	अरबन कोआर्डिनेटर
आई0ई0सी0:–		
परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं थी। जो आई0ई0सी0 उपलब्ध थे वे पर्याप्त नहीं थे।	अपडेटेड आई0ई0सी0 डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया। विभिन्न कार्यक्रमों यथा जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, टीकाकरण, बाल स्वास्थ्य, परिवार नियोजन आदि की उपलब्ध सुविधाओं व सेवाप्रदाताओं का विवरण, फैमिली प्लानिंग इण्डेमनिटी स्कीम आदि का वाल पेन्टिंग के माध्यम से डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा प्रभारी
परिवार नियोजन–		
स्टाफ नर्स द्वारा गर्भनिरोधक सामग्री का वितरण किया जा रहा है। होम डिलीवरी आफ कन्ट्रासेप्टिव स्कीम के तहत आशाओं को गर्भनिरोधक सामग्री का वितरण नहीं किया जा रहा है। कंडोम बाक्स लगा पाया गया किन्तु टूटा हुआ था।	होम डिलीवरी आफ कन्ट्रासेप्टिव स्कीम के दिशा निर्देशों का भली भांति अध्ययन किया जाये व प्रत्येक आशा के मांग के अनुरूप गर्भनिरोधक सामग्री का वितरण आशाओं को नियमित रूप से किया जाय।	सम्बन्धित स्टाफ
मातृत्व स्वास्थ्य:–		
गर्भवती महिलाओं की सूची उपलब्ध थी। एच0आर0पी0 रजिस्टर, सुरक्षित मातृत्व पुस्तिका, एनीमिक की सूची उपलब्ध नहीं थी। टीका करण कक्ष के बाहर प्रचार–प्रसार सम्बन्धी प्रदर्शन नहीं था।	मानक अनुसार अभिलेख बनाने का सुझाव दिया गया। आई0ई0सी0 सामग्री को यथा स्थान पर प्रदर्शित किया जायें	सम्बन्धित स्टाफ

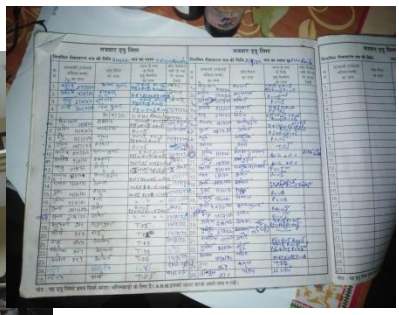

<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र –नगीना,</u>

<u>सम्पर्क अधिकारी–</u>डा0 प्रमोद, चिकित्सा अधीक्षक।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
मानव संसाधन		
चिकित्सा इकाई में डा0 प्रमोद, डा0 नवीन कुमार, डा0 मो0 अमजद कुल 03 चिकित्सक, 02 स्टाफ नर्स, 2	टीम को सी0एच0सी0 का कार्य पी0एच0सी0 में होने का स्पष्ट कारण नही ज्ञात हुआ। उक्त हेतु मुख्य	मुख्य चिकित्सा अधिकारी/

फर्मासिस्ट एवं 01 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तैनात है। 01 एल0एम0ओ0 चिकित्सक तैनात है किन्तु प्रसव बेहद कम कराये जाते है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र होने के उपरांत बी0पी0एम0यू0 यूनिट पी0एच0सी0 में स्थापित है एवं सहयोगात्मक पर्यवेक्षण का वाहन भी पी0एच0सी0 में तैनात चिकित्सक को दिया गया। परिसर में मात्र 01 सफाई कर्मी है जबकि कम से कम 03 की आवश्यकता है।	चिकित्सा अधिकारी से अपेक्षित है कि सी0एच0सी0 में बी0पी0एम0यू0 यूनिट स्थापित करने एवं सफाई कर्मचारियों की तैनाती हेतु अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित करें।	डी0पी0एम0यू0
टीम द्वारा कुछ रोगियों से हुयी वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ कि चिकित्सक/स्टाफ का व्यवहार उनके प्रति अभद्रतापूर्वक रहता है। मानक अनुसार न तो टैक्नीशियन, आशाएं एवं न ही एक्स–रे टैक्नीशियन द्वारा ग्लव, ड्रेस या जैकेट आदि पहने की प्रवृति पायी गयी।	टीम द्वारा व्यवहार सुधारने का सुझाव दिया गया साथ ही समस्त स्टाफ को मानक अनुसार ड्रेस आदि पहनने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सक/स्टाफ
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोतवाली में **माह अगस्त 2022 तक 266 प्रसव कराये गये किन्तु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नगीना में अप्रैल 2021 से अगस्त 2022 तक मात्र 58 प्रसव कराये गये।**	सी0एच0सी0 नगीना में तैनात दोनो स्टाफ नर्स को रोटेशन में पी0एच0सी0 कोतवाली में तैनात का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्साधिकारी
चिकित्सालय परिसरः–		
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक नही पायी गयी। चिकित्सालय की इमारत के अंदर वाहन खडे पाये गये। इमारत की बाउन्डरी पर वाल पेटिंग कराने की आवश्यकता है। परिसर में वाहन यहां वहां खडे पाये गये। परिसर में स्टाफ क्वाटर की पुरानी इमारत है। स्टोर रूम की छत गिर रही है। उक्त इमारत के सुदढीकरण की आवश्यकता है। चिकित्सालय में पावर बैकअप की व्यवस्था नही है।	अधिकारियों द्वारा रोस्टर प्लान बनाकर नियमित मानीटरिंग करने का सुझाव दिया गया। चिकित्सा प्रभारी इकाई को कायाकल्प की तर्ज पर लाने का प्रयास कर रहे है। घास आदि हटायी गयी है एवं वाइट वास कराया गया है। जनरेटर आदि की व्यवस्था का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
सिटीजन चार्टर डिस्प्ले था। 5'5 मैट्रिक्स डिस्प्ले नहीं था। ई0डी0एल0का अपडेटेड प्रदर्शन किया गया था। हेल्पडेस्क की व्यवस्था नहीं थीं।	जनपद स्तर से 5'5 मैट्रिक्स प्राप्त करने तथा हेल्पडेस्क की ब्यवस्था करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
चिकित्सा अधीक्षक कक्ष में उपलब्धि विवरण दर्ज नही था।	अच्छे चार्ट पेपर या बड़े साईज के प्रिण्ट डिस्प्ले करने का सुंझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
परिसर के अन्दर शिकायत पेटिका नहीं पायी गयीं। शिकायत निवारण कमेटी का गठन रिकार्ड भी देखने को नही मिला। ओ0पी0डी0 के बाहर मरीजो की भीड लगी पायी गयी।	शिकायत पेटिका लगवाने का एवं शिकायत निवारण कमेटी का गठन व रिकार्ड मेण्टेन करने का सुझाव दिया गया। मरीजो को पंक्तिगत् लगवाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
आई0ई0सी0ः–परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नही थी। पंजीकरण कक्ष के बाहर गर्भवती महिलाओं के निःशुल्क पंजीकरण का डिस्प्ले नहीं था व गर्भवती महिलाओं से पंजीकरण शुल्क लिया जा रहा था।	विभिन्न कार्यक्रमों की अपडेटेड आई0ई0सी0 जनपद स्तर से प्राप्त कर डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया। गर्भवती महिलाओं के निःशुल्क पंजीकरण का डिस्प्ले करने व गर्भवती महिलाओं से पंजीकरण शुल्क न लिये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
बायोमेडिकल वेस्ट–		
चिकित्सालय में Binsउपलब्ध थीं। डस्ट बिन में अलग–अलग रंग की पॉलीथिन नहीं थी। बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित स्टाफ का ओरिएण्टेशन	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित समस्त स्टाफ का अभिमुखीकरण कराये जाने व ColourCodedBinsकी उपलब्धता सुनिश्चित करने का	चिकित्सा अधीक्षक

कराये जाने की जरुरत है। बी0एम0डब्लू0 दिन में एक बार आता पाया गया।	सुझाव दिया गया।	
प्रयोगशाला–		
प्रयोगशाला में साफ–सफाई व संक्रमण से बचाव के प्रोटोकाल्स फालो नहीं किये जा रहे थे। श्री पंकज कुमार एवं श्री पियुष चौधरी लैब टैक्नीशियन के पद पर कार्यरत मिलें। पूर्व में आवंटित लैब को कोविड लैब बना देने के कारण प्रयोगशाला अस्थाई रूप से स्फिट कर दी गयी है। Reagent न होने के कारण अधिकतर परीक्षण बंद पाये गयें।	सम्बन्धित को साफ–सफाई व संक्रमण से बचाव के प्रोटोकाल्स फालो करना सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। अधीक्षक महोदय को लैब हेतु बडा स्थान आवंटित करने की आवश्यकता है। Reagent उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।	चिकित्सा अधीक्षक/ लैब टेक्निशियन
मातृत्व स्वास्थ्यः–		
02 स्टाफ नर्स तैनात होने के उपरांत भी प्रसव न कराया जाना उचित नही है। उक्त स्टाफ नर्सो को रोटेशन में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोतवाली में ट्रांसफर करने की आवश्यकता है। दिनांक 22.09.2022 को सुश्री मिनाक्षी रात्री ड्यूटी पर थी एवं सुश्री मिनाक्षी अपरान्ह 12:40 तक परिसर में नही आयी पायी गयी।	बेहतर होगा जनपद स्तर से एस0बी0ए0 प्रशिक्षित महिला चिकित्सक की तैनाती सी0एच0सी0 में की जा सके ताकि चिकित्सा प्रभारी के कायाकल्प के कार्य को बल मिल सके एवं इकाई में प्रसवों की संख्या बेहतर हो सकें।	मुख्य चिकित्साधिकारी
लेबर रूमः– लेबर रूम में सेवन (सात) ट्रे, एस0बी0ए0 प्रोटाकाल पोस्टर्स, हैण्डवाशिंग एरिया आदि उपलब्ध नहीं थी। प्रसव रजिस्टर में कई लाभार्थियों के एम0सी0टी0एस0 सं0 का अंकन नही था। रजिस्टर के अन्त में संक्षिप्त जानकारी प्रपत्र के बारे में उचित जानकारी नहीं थी।	एम0एन0एच0 टूल का अध्ययन करने व सेवन (सात) ट्रे, एस0बी0ए0 प्रोटाकाल पोस्टर्स आदि लगवाने का सुझाव दिया गया। एच0आर0पी0 रजिस्टर व लाभार्थियों के एम0सी0टी0एस0 सं0 का अंकन करने का सुझाव दिया गया। प्रत्येक माह के अन्त में माह की रिपोर्ट का अंकन करने हेतु निर्देशित किया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली समस्त सेवाओं की जानकारी उपस्थित स्टाफ को नहीं थी। प्रसव रजिस्टर में अंकित कम वजन के नवजात शिशु का फालोअप नहीं किया जा रहा है।	सहायक सामग्रियों का नियमित अध्ययन करने का सुझाव दिया गया। नवजात शिशु का फालोअप सम्बन्धित चिकित्सालय व आशा के माध्यम से किये जाने हेतु सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
औषधिया/उपकरणः–		
श्री सुरेन्द्र सिंह चीफ फारमेस्टि के पद पर कार्यरत है। चिकित्सालय में कयी औषधियों उपलब्ध नही पायी गयी। चिकित्सालय मे Digital Theromometer, Atendock, Antacid, Diclogel आदि उपलब्ध नही है। उपलब्ध औषधियां आदि की सूची उपलब्ध नही पायी गयी। अब इनवाइस आनलाइन दी जाती है किन्तु	महात्वपूर्ण उपकरण एवं औषधियों को उपलब्ध कराने हेतु सी0एम0एस0डी0 भण्डार जाकर देखा गया वहां समस्त औषधियां उपलब्ध पायी गयी। चिकित्सालय से इन्डैन्ट प्रक्रिया कर तुरत औषधियां उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया। फारमेस्टि को कम्प्यूटर का ज्ञान लेने की आवश्यकता है।	चिकित्सा अधीक्षक

फारमेस्टि को कम्प्यूटर का ज्ञान न होने के कारण कोई भी इनवाइस टीम के समस्त प्रस्तुत नही किया गया।		
परिवार नियोजन–		
कण्डोम बाक्स नहीं लगा था। मात्र कैम्प लगाया जाता है।	औषधि वितरण कक्ष के बाहर कण्डोम बाक्स लगवाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
गर्भनिरोधक साधनों का स्टॉक निर्धारित फार्मेट पर मेन्टेन नहीं किया जा रहा है। आई0यू0सी0डी0 विगत माह से उपलब्ध नहीं था।	तीन माह का बफर स्टाक रखते हुए समय पर जनपद से मांग की जाए। राज्य स्तर से वार्ता कर मण्डल से किसी अधिकारी को भेजकर आई0यू0सी0डी0 प्राप्त करने का सुझाव दिया गया।	जिला फैमिली प्लानिंग स्पेशलिस्ट/ चिकित्सा अधीक्षक
राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रमः–		
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोतवाली में दो आर0बी0एस0के0 टीम तैनात पायी गयी। टीम 01 में तैनात एल0एम0ओ0 मातृत्व अवकाश पर होने के कारण संचालित नही पायी गयी। टीम 02 में डा0 एस0आर0एम0 जैदी, चिकित्सक, श्री मनीश एवं श्री शक्ति सिंह Ophthalmic Assistantसुश्री रमाजीत कौर व सुश्री अचर्ना सिंह, स्टाफ नर्स के पद पर तैनात है। टीमो को आवंटित वाहन साक्षात देखने को नही मिले। मोबाइल पर टीम को दिखाया गया जिसपर वाहन पर कार्यक्रम का लोगो एवं बैनर नही लगा था। रजिस्टर स्टाफ नर्स लेकर जा चुकी थी अतः वो तक टीम को नही देखने मिले। टीम के बैठने हेतु कोई रूम परिसर में नही है। कोई भी अभिलेख, उपकरण एवं औषधियां टीम के पास नही पायी गयी। वाहनों की लॉग बुक तक चालको के पास नही पायी गयी।	मानक अनुसार व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया। टीम व टीम को आवंटित वाहन तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नगीना में तैनात होने का सुझाव दिया गया। अभिलेखों को अद्यतन करते हुये बच्चों को रिर्फर करने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित अधिकारी/स्टाफ

<u>एल0टी0 द्वारा दिनांक 04/04/2022 का इन्डेंट जिसकी आपूर्ति तद्दिनांक तक नही हुयी जिसके कारण जांच बंद पायी गयी–</u>

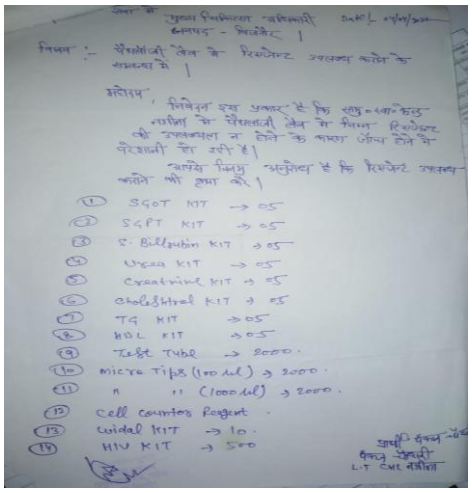

<u>आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा प्रस्तुत अभिलेख–</u>

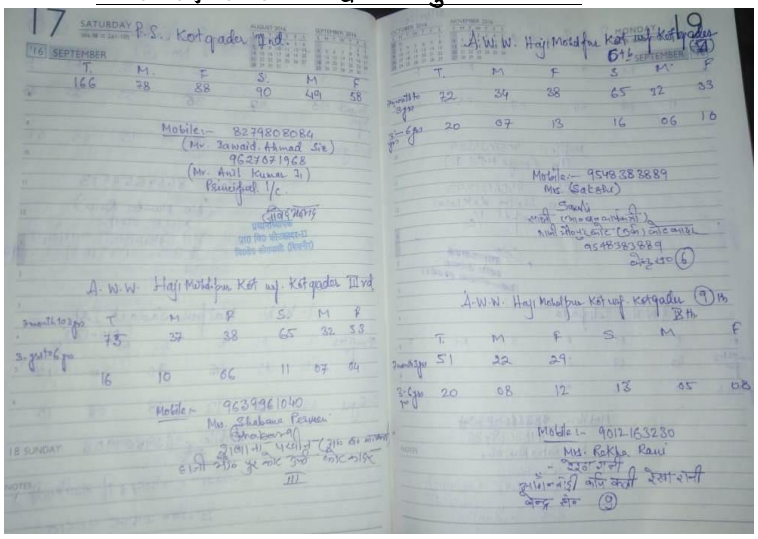

<u>संलग्न– चेकलिस्ट।</u>

प्राथमिक विद्यालय रोशनपुर प्रताप,

प्राथमिक विद्यालय रोशनपुर प्रताप का भ्रमण कर आर0के0एस0के0 कार्यक्रम का अवलोकनकिया गया। विफ्स नोडस से रिकार्ड व मेडिसीन के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। पुराने प्रिण्टेड रिकार्ड भरे जा रहे थे।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
• अपातकालीन स्थिति हेतु विद्यालय में चिकित्सालय/चिकित्सक के नम्बर उपलब्ध नही थे और न ही लिखे पाये गये।	टीम द्वारा नम्बर उपलब्ध कराके वाल पेटिंग कराने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी अध्यापक
• प्रधानाचार्या उपस्थित नही पायी गयी एवं अध्यापिका को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी का अभाव प्रतीत हुआ।	प्रधानाचार्या एवं अध्यापक/अध्यापिकाओं का अभिमुखीकरण करने की आवश्यकता है।	मुख्य चिकित्साधिकारी/ नोडल आर0एम0सी0एच0
• विद्यालयों में विपस रजिस्टर आदि वर्तमान वित्तीय वर्ष के उपलब्ध कराने की आवश्कता है। कृमि मुक्ति दिवस एवं मापअप राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस आयोजित किया गया था किन्तु रजिस्टर में सही टिक का निशान लगा नही पाया गया। अधापको के अभिमुखिकरण की आवश्कता है।साप्ताहिक आयरन एवं फोलिक एसिड संपूर्ण कार्यक्रम (WIFS) के अन्तर्गत पिंक एवं ब्लू आयरन की गोलियां उपलब्ध पायी गयी किन्तु अभिलेख/रिपोर्ट को अद्यतन करने की आवश्कताहै। • आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा 06 माह से निरीक्षण न किये जाने की जानकारी प्राप्त हुयी। रिकार्ड व बैनर वर्तमान वित्तीय वर्ष के नहीं थे। • बच्चों के बीच दवाईयों का वितरण किया जा रहा है। बच्चों को जानकारियॉ भी थीं।	टीम द्वारा प्रभारी अध्यापक को दिशा–निर्देशानुसार कृमि मुक्ति दिवस एवं मापअप दिवस में रजिस्टर पर Single & Double Tick किस प्रकार अंकित करना बताया गया। उक्त हेतु अभिलेखों को अद्यतन किये जाने का सुझाव दिया गया। टीम द्वारा विद्याार्थियों को नियमित रूप से आयरन की गोलियां खिलाने का सुझाव दिया गया। ए0सी0एम0ओ0 आर0सी0एच0 द्वारा को सबंधित टीम से उत्तर लेते हुये तुरत भ्रमण किया जाना सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।	डी0आई0सी0 मैनेजर/ प्रभारी अध्यापक

संलग्न– चेकलिस्ट।

उपकेन्द्र स्तरीय हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टरः–

ग्राम– महेश्वरी जट, कोतवानी देहात,
ब्लाक–कोतवाली
सम्पर्कः सी0एच0ओ0.–सुश्री अल्का रानी।

- हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर्स के भवन, ब्रांडिंग, पैथोलाजी, ई0डी0एल0 व आवश्यक उपकरणों की मानकानुसार उपलब्धता नहीं पाये गये। भवन का एक कमरा श्रीमती इमराना, प्रधान द्वारा गांव वाले को समान रखने को दिया हुआ पाया गया।

- सी0एच0ओ0 को पर्याप्त जानकारी पायी गयी।
- ई0डी0एल0 के अनुसार पर्याप्त दवाईयॉ नहीं थी तथा एक्सपायरी तिथि की दवाईयॉ नही पायी गयीं। गर्भनिरोधक जॉच किट प्रेगइनफार्म का उपलब्ध था।
- सी0एच0ओ0 का लैपटाप उपलब्ध नहीं था। अभिलेखों को अद्यतन करने की आवश्यकता है।
- भवन में बीजली व पानी की व्यवस्था नही पायी गयी। उक्त की व्यवस्था कराने की आवश्यकता है। बाउंड्री बनवाने की आवश्यकता है ताकि मवेशी आदि न आयें। सी0एच0ओ0 द्वारा बताया गया कि गांव वाले आने–जाने वाले मार्ग में मवेशी आदि बांध देते है जिससे मरीजों को दिक्कत का सामना करना पड़ता है। परिसर में बांउड्री बनावाने की अत्यंत आवश्यकता है।

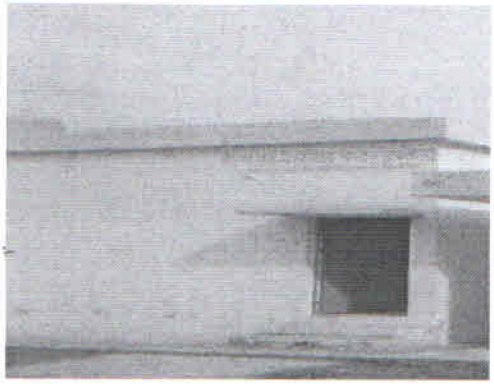

Saurabh 30/9/22
(सौरभ तिवारी)
परामर्शदाता, आर0के0एस0के0

Varun Pratap Singh 30-9-2022
(श्री वरूण प्रताप सिंह)
उपमहाप्रबंधक, आई0ई0सी0